- बिहार-झारखंड संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 2.00
- पृष्ठ 04
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना। सोमवार, 11 नवंबर 2024 | सम्पादक: कृष्णा टेकड़ीवाल | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

संक्षिप्त खबर

राज्य में डेंगू के 101 नए मरीज मिले

दैनिक बिहार पत्रिका / पटना। ठंड के मौसम के आहट के बीच राज्य में डेंगू का कहर कम होने लगा है। राज्य में 101 नए डेंगू के मरीज मिले। इसमें सबसे अधिक पटना में 29 मरीज मिले। एक जनवरी से नौ नवंबर तक केवल पटना में 4127 और बिहार में 8265 मरीज मिल चुके हैं। औरंगाबाद में सबसे अधिक 17 मरीज मिले। वहीं डेंगू से अब तक राज्य में 15 लोगों की मौत हो चुकी है।

बरौनी जंक्शन से शराब बरामद

बरौनी। जीआरपी ने नियमित गश्ती के दौरान रविवार को बरौनी जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर 7 से लावारिस हालत में 12 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। हालांकि, पुलिस को आते देख शराब धंधेबाज भागने में सफल रहा। फरार धंधेबाज का पुलिस पता चलाने में जुटी है। पुलिस सभी पहलुओं पर मामले की छानबीन कर रही है।

बरौनी से आनंद विहार के लिए स्पेशल ट्रेन

बरौनी। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए बरौनी से आंनद विहार तक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 04062 आनंदविहार से 17 नवंबर यानी रविवार को खुलेगी। ट्रेन संख्या 04061 बरौनी से 11 व 18 नवंबर सोमवार को खुलेगी। इस ट्रेन का स्टॉपेज अलीगढ़, टुंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर, गाजीपुर शहर, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, छपरा कचहरी व हाजीपुर स्टेशनों पर होगा।

बिहार के सरकारी विद्यालयों में बच्चों को अब उपलब्ध कराया जाएगा पका-पकाया भोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/पटना

बिहार के सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए खाना बनाने की परंपरा को समाप्त किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने पीएम पोषण योजना के तहत एक नया प्रयोग शुरू किया है। इस प्रयोग के तहत मध्याह्न भोजन व्यवस्थापक के माध्यम से बच्चों को पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना से रसोइयों को भी लाभ होगा। उन्हें व्यवस्थापक बनने का मौका मिलेगा। हालांकि, व्यवस्थापक बनने के लिए उन्हें स्नातक की डिग्री होनी जरूरी है। पहले चरण में 10 जिलों के 20 पंचायतों के सभी स्कूलों में यह योजना लागू होगी। इन जिलों में मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर,गया, वैशाली, पूर्वी चंपारण, गया, वैशाली, पूर्वी चंपारण, पूर्णिया, भागलपुर, लखीसराय और औरंगाबाद शामिल हैं। बच्चों और शिक्षकों का समय बचेगा। पहले विद्यालयों में भोजन बनाने में काफी समय लगता था।अब बच्चों को पका हुआ भोजन मिलेगा, जिससे बच्चों और शिक्षकों के पास पढ़ाई के लिए ज्यादा समय होगा। जो रसोइया स्नातक हैं, उन्हें व्यवस्थापक बनने का मौका मिलेगा। व्यवस्थापक भोजन की गुणवत्ता पर ध्यान देंगे। व्यवस्थापक के लिए कम से कम स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। मध्याह्न भोजन योजना में काम करने वाले रसोइयों को प्राथमिकता दीजाएगी। व्यवस्थापक को भोजन की खरीदारी, भोजन बनवाना, बच्चों को भोजन खिलाना और रसोई घर की साफ-सफाई जैसी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। व्यवस्थापक को अपने मौजूदा काम के साथ-साथ यह काम करना होगा। उन्हें इसके लिए अलग से कोई वेतन या भत्ता नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक पंचायत के लिए एक सहायक व्यवस्थापक भी होगा। सहायक व्यवस्थापक के लिए कम से कम मैट्रिक या इंटरमीडिएट पास होना जरूरी है। यह योजना बिहार के बच्चों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे बच्चों को स्वस्थ भोजन मिलेगा और उनकी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी।

देसी कट्टा लहराने का वीडियो वायरल, ग्रामीणों ने युवक को पकड़ 112 पुलिस टीम को सौंपा

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

मशरक के धवरी गोपाल गांव में जमीन संबंधी विवाद में मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है। इस मामले में ग्रामीणों ने युवक को पकड़ 112 पुलिस टीम को सौप दिया। धवरी गोपाल गांव निवासी तारकेश्वर सिंह ने बताया कि उनका जमीन संबंधी विवाद पड़ोसी से चल रहा है। वे दरवाज़े पर बैठे थे कि इस दौरान एक युवक देसी कट्टा लेकर पहुंचा और गाली गलौज करने लगा। माथे पर मार कर घायल कर दिया। पूरे परिवार के साथ उन्होंने उक्त युवक को पकड़ लिया और पुलिस 112 टीम को बुला कर सौंप दिया। मामले में थाना पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी बना लिया गया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बिहार को पिछड़ेपन से निकालने का एकमात्र विकल्प है जनसुराज : युवराज

दैनिक बिहार पत्रिका / गया

बिहार विधानसभा उपचुनाव प्रचार थमने में कुछ ही घण्टे शेष है। सभी दलों ने चुनाव प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में जन सुराज के बिहार प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती एवं सारण जिला जनसुराज के जिला संयोजक प्रिय रंजन युवराज समेत दर्जनों नेताओं ने बेलागंज उपचुनाव में औरवा, घनशेर ,चपरघा,चोरवा नेयाजी आदि गांवों में जनसभा करके जनसुराज के प्रत्याशी मो० अमजद को बिहार में व्यवस्था परिवर्तन के लिए भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की । सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि चुनाव जितना हमलोगों का मकसद नहीं है बल्कि हम लोगों का मकसद है बिहार में व्यवस्था परिवर्तन,जिसकी शुरुआत बेलागंज से होगी। इस अवसर पर सारण जिला संयोजक प्रियरंजन युवराज ने कहा कि बिहार को पिछड़ेपन से निकालने का एक मात्र विकल्प है जनसुराज है । हम सभी जनसुराज के प्रत्याशी को विजयी बनाकर बिहार को गरीबी अशिक्षा,पलायन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं को समाप्त करेगे और प्रशांत किशोर जी के हाथों को मजबूत करेंगे। युवराज ने प्रशांत किशोर के नीतियों और सिद्धांतों से जनसमूह को अवगत कराया।इस अवसर पर बिहार प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राज नंदन यादव, नूतन शर्मा, अभय शर्मा,अनिल कुमार सिंह समेत बिहार प्रदेश के दर्जनों नेता उपस्थित थे।

हर्षोल्लास पूर्वक श्रद्धालुओ द्वारा मनाया गया अक्षय नवमी पर्व, की गई आंवला वृक्ष की पूजा अर्चना

सुपौल। सोनू कुमार भगत

छातापुर प्रखण्ड क्षेत्र में अक्षय नवमी पर्व (व्रत) रविवार को हर्षोल्लास पूर्वक श्रद्धालुओ द्वारा मनाया गया । पर्व को लेकर दिन भर चहल पहल बनी रही । अक्षय नवमी के मौके पर सुबह से ही विभिन्न जगहों पर आंवला पेड़ के नीचे महिलाओ ने पुरोहित जी से कथा सुनी। वही आंवला वृक्ष की पूजा अर्चना की उसके उपरांत वे लोग उसी पेड़ के नीचे भोजन भी किया। पंडित पुरोहित के अनुसार यह हिन्दुओं का प्राचीन काल से की जा रही यह पूजा जो भगवान विष्णु जी की पूजा विशेष रुप से की जाती है । इस दिन आंवला वृक्ष की पूजा करने से बैकुंठ लौक की प्राप्ति होती है । पुरोहित जी के एक कथा अनुसार पुराने प्राचीन काल में दो गंदर्भ स्त्री पुरूष नग्न वस्था में जल कीड़ा कर रहे थे । दुर्वासा ऋषि की नज़र उस पड़ पर गई क्रोध में आकर उन्होंने श्राप दे दिया की तुम दोनो ज़र हो जाओ उनसे क्षमा मांगी रो रो कर गिड़गिड़ाने के बाद ऋषि ने कहा की मेरा श्राप तो वापस नहीं होगा किंतु द्वापर ऋतु में भगवान श्री कृष्ण के स्पर्श से तुम्हारी मुक्ति होगी । दोनो आंवला वृक्ष बन कर माता यशोधा के आंगन में पैदा हुये जब यशोधा मैया ने भगवान श्री कृष्ण को ऊखली में बाँधा तब ऊखली को खींचते हुये बालकृष्ण आंवला वृक्ष से सट गये । उसके बाद से ही गंधर्वो का ऊद्धार हो गया तब से आंवला वृक्ष की पूजा की जाती है। इस पूजा को हिन्दु समुदाय के लोगों ने प्रखंड क्षेत्रों में विभिन्न जगहों पर श्रद्धा व भाव के साथ मनाया । पंडित के अनुसार ऐसी मान्यता है कि आंवला वृक्ष में भगवान विष्णु का वास होता है । अक्षय नवमी के दिन भगवान विष्णु को दान करने से धन दान का नाश अर्थात क्षय नहीं होता है। इसलिए खासकर कार्तिक स्नान करने वाली महिलाएं अक्षय नवमी को गुप्त दान जरूर करती हैं । यूं तो आंवला सेहत के लिए काफी फायदेमंद है । आंवला वृक्ष के नीचे व्रत और भोजन करने से शरीर को काफी लाभ पहुंचता है । इतना ही नही शरीर और स्वस्थ रहता है। पूजा कर रही महिलाओं ने कहा कि आज के दिन आंवला वृक्ष की पूजा कर गुप्त दान करने से पति, पुत्र पुत्री दीर्घायु के साथ साथ निरोग रहते हैं।

ऑटो रिक्शा पलटने से एक की मौत, चार घायल

दैनिक बिहार पत्रिका/ समस्तीपुर

विद्यापतिनगर। थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाली निर्माणाधीन एनएच 122बी पथ पर हरपुर बोचहा पंचायत अंतर्गत कब्रिस्तान के समीप एक अनियंत्रित ऑटो रिक्शा के पलट जाने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के संबंध में बताया गया है कि कब्रिस्तान के समीप रविवार की दोपहर एक ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में पांच व्यक्ति जख्मी हो गए, जिसमें एक व्यक्ति की नाजुक स्थिति को देखते हुए बगल के एक निजी क्लीनिक ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के कुम्हार टोल वार्ड संख्या 5 निवासी रकटू पंडित के पुत्र सुरेन्द्र पंडित (51 वर्ष) के रूप में हुई है। फिलहाल अन्य घायलों का इलाज जारी है। थानाध्यक्ष फिरोज आलम ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर भेज दिया है।

समस्तीपुर : राजश्री टीवीएस के द्वारा ग्राहकों को दिया गया उपहार

विधायक राजेश सिंह के द्वारा निकाला गया लक्की ड्रा का कूपन

दैनिक बिहार पत्रिका/समस्तीपुर

विद्यापतिनगर/मोहिउद्दीननगर। प्रखंड के बलुआही भारत पेट्रोल पंप के समीप स्थित राजश्री टीवीएस एजेंसी के परिसर में रविवार को एक समारोह आयोजित कर त्योहारों के सीजन में एजेंसी से गाड़ी खरीदने वाले करीब दो सौ ग्राहकों के बीच लक्की ड्रा के माध्यम से उपहारों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मोहिउद्दीननगर से भाजपा विधायक राजेश कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा व जान-माल की हिफाजत के लिए प्रत्येक व्यक्ति को दो पहिया वाहन का इस्तेमाल करते समय हेलमेट का उपयोग अवश्य करना चाहिए, इससे सड़क दुर्घटना के समय होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आजकल अधिकांश युवा बाइक चलाते समय हेलमेट का उपयोग नहीं करते हैं, जो चिंता का विषय है। ऐसे में टीवीएस एजेंसी द्वारा प्रत्येक ग्राहक को उपहार स्वरूप हेलमेट देना सराहनीय है। विदित हो कि त्योहारों के इस सीजन में बजरंगी चौक स्थित शंभू टीवीएस एवं राजश्री टीवीएस एजेंसी के द्वारा दुर्गा पूजा से लेकर छठ महापर्व के बीच गाड़ी खरीदने वाले प्रत्येक ग्राहक को लक्की ड्रा का कूपन दिया गया था। शंभू टीवीएस व राजश्री टीवीएस के संचालक अंकिता सोनी एवं आकाश सोनी ने बताया कि आज लक्की ड्रा के माध्यम से दो सौ से अधिक विजेताओं के बीच उपहारों का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रथम पुरस्कार के तौर पर फ्रिज, द्वीतिय पुरस्कार के तौर पर वाशिंग मशीन, तृतीय पुरस्कार के रूप में एलइडी टीवी सहित दर्जनों उपहार हर एक ग्राहक को दिया गया। श्रीमती सोनी ने कहा कि एजेंसी के द्वारा धनतेरस एवं दीपावली पर भी ग्राहकों को बंपर उपहार दिए गए थे, साथ ही प्रत्येक ग्राहक को एक लक्की ड्रा का कूपन भी दिया गया था, जिसका फैसला आज मोहिउद्दीननगर से भाजपा विधायक राजेश कुमार सिंह के हाथों किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में ग्राहकों के अलावा एजेंसी से जुड़े कर्मी मौजूद थे।

तीनों राज्यों में एनडीए की होगी जीत विजय सिन्हा

दैनिक बिहार पत्रिका/ लखीसराय

स्थानीय विधायक सह डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा रविवार को लखीसराय पहुंचे। वे 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती पर जमुई में प्रधानमंत्री के निर्धारित कार्यक्रम को लेकर पहुंचे हैं। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं जिला संगठन प्रभारी विनोद मंडल और कार्यकर्ताओं के साथ तैयारी बैठक के बाद प्रेस वार्ता में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में चार सीटों पर हो रहे उपचुनाव सहित तीन राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत होगी। वहीं बक्सर सांसद सह आरजेडी नेता सुधाकर सिंह पर जमकर निशाना साधा।

छातापुर में समा चकेवा पर्व को लेकर क्षेत्र में उत्साह

दैनिक बिहार पत्रिका /सोनू कुमार भगत

सुपौल। छातापुर प्रखण्ड मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में कार्तिक पूर्णिमा को मनाए जाने वाले सामा चकेवा पर्व को लेकर महिलाएं व युवतियां द्वारा तैयारी शुरू कर दी गयी है। समा चकेवा लोक पर्व के तहत प्रचलित है। यह पर्व भाई बहन के स्नेह का पर्व है। छठ पर्व से ही मिट्टी से कई तरह की मूर्तियां बनाने के साथ शाम में लोकगीत गाये जाने लगे है। मिथिला तथा कोसी के क्षेत्र में भातृ द्वितीया, रक्षाबंधन की तरह ही भाई बहन के प्रेम स्नेह का प्रतीक लोक पर्व सामा चकेवा प्रचलित है। अपने-अपने सुविधा के अनुसार दीपावली व छठ के खरना के दिन से मिट्टी से सामा चकेवा सहित अन्य प्रतिमाएं बनाकर इसकी शुरुआत की जाती है। सामा, चकेवा, टिहुली, कचबचिया, चिरौंता, हंस, सत भैंया, चुगला, बृंदावन, पेटार, ढोलकिया सहित कई अन्य छोटी छोटी प्रतिमाएं बनायी जाती है। देवोत्थान एकादशी की रात से प्रत्येक आंगन में नियमित रूप से महिलाएं पहले समदाउन, ब्राह्मण गोसाउनि, भजन सहित अन्य गीत गाकर बनायी गयी मूर्तियों को ओस चटाती है। कार्तिक पूर्णिमा की रात मिट्टी के बने पेटार में सन्देश स्वरूप दही-चूरा भर सभी बहनें सामा चकेबा को अपने-अपने भाई के ठेहुना से फोड़वा कर श्रद्धा पूर्वक अपने खोइछा में लेती है। इस पर्व की तैयारी जोर शोर से चल रही है। गांव गली में अभी से दिवंगत हुई शारदा सिन्हा की गीत गली गली गूंज रही है। लोगों ने कहा कि शारदा सिन्हा बिहार कोकिला थी। उनकी गाए गाने से ही छठ, समा चकेवा पर्व समेत शादी विवाह में चार चांद लगता है।

पुलिस अधीक्षक के द्वारा पुलिस केंद्र हाजीपुर स्थित सभा कक्ष में पुलिस सभा का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका /वैशाली

रविवार को पुलिस अधीक्षक,वैशाली के द्वारा पुलिस केंद्र हाजीपुर स्थित सभा कक्ष में "पुलिस सभा" का आयोजन किया गया, जिसमें बारी बारी से सभी संवर्ग के पुलिसकर्मी को अपनी समस्याएं साझा करने को कहा गया एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा निम्नांकित दिशा-निर्देश दिया गया। लंबित यात्रा भत्ता निकासी,चिकित्सा प्रतिपूर्ति की निकासी,लंबित ए0सी0पी0 का एरियर निकासी,पुलिस केंद्र स्थित बैरकों की साफ सफाई हेतु संबंधित शाखा को निर्देशित किया गया ।

मॉनिटरिंग का असर ,वैशाली में कई सड़कों का हुआ कायाकल्प

पहले

अब

दैनिक बिहार पत्रिका /वैशाली

जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा द्वारा जिला स्तरीय तकनीकी पदाधिकारियों की नियमित समीक्षा बैठक में दिए गए मार्गदर्शन तथा विभागीय निर्देश का असर यह रहा कि वैशाली जिला की कई सड़कों , जो पहले जर्जर अवस्था में थी,आज उनका कायाकल्प हो गया है। दो साल पहले लालगंज बाजार में काफी जाम की समस्या रहती थी। सड़क की स्थिति भी अच्छी नहीं थी। पथ निर्माण विभाग द्वारा लालगंज बाजार बाईपास पथ के निर्माण हो जाने के बाद जाम की समस्या से निजात मिली है। यह सड़क वाले 3.05 मीटर चौड़ी थी, जिसे अब 7 मीटर में चौड़ीकरण किया गया है। इसकी लंबाई 2.70 किलोमीटर है। इसी तरह उमताहा (कन्हौली) - कुशहर पथ (महुआ बाईपास) के निर्माण हो जाने से महुआ बाजार में जाम की समस्या काफी हद तक समाप्त हुई है। यह सड़क वाले मात्र 3.05 मीटर चौड़ी थी, जिसे अब 7 मीटर में चौड़ीकरण किया गया है। टॉल प्लाजा एनएच 22 से दौलतपुर बाईपास पथ पहले मात्र 3.75 मीटर चौड़ी थी। इसे 5.5 मीटर में चौड़ीकरण किया गया है। इस सड़क की लंबाई 10.10 किलोमीटर है। जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने बताया कि सड़कें एक बुनियादी ढांचे के तौर पर काम करती हैं और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं। अच्छी सड़कों से यात्रा सुगम बनती है। इसलिए सड़कों के निर्माण, मरम्मति और चौड़ीकरण के लिए जिला स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग किया जा रहा है।

सोनपुर मेले की तैयारी में तेजी लाने का निर्देश,13 नवम्बर को होगा उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले की तैयारी का जायजा लेने सारण के जिलाधिकारी अमन समीर सोनपुर मेला क्षेत्र में पहुंचे। उनके साथ उप विकास आयुक्त यतेंद्र कुमार पाल, एडीएम ई. मुकेश कुमार एवं जिले के अन्य पदाधिकारी तथा सोनपुर एसडीओ आशीष कुमार डीएसपी नवल किशोर, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी रंजीत कुमार तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी भी थे। जिलाधिकारी ने 13 नवंबर को होने वाले मेले के उद्घाटन के

मद्देनजर अभी तक के कार्य प्रगति और तैयारियों की समीक्षा की। इस बीच उन्हें जहां-जहां कमी नजर आई, वे इस संदर्भ में संबंधित पदाधिकारियो को निर्देश दिए। उन्होंने इसे अति शीघ्र इसे पूरा करने को कहा। उन्होंने कार्तिक पूर्णिमा तथा मेले के दौरान उमड़ने वाली भीड़ नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था संधारण की भी समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने पर्यटन विभाग के मुख्य पंडाल के निर्माण कार्य को भी देखा तथा निर्माणाधीन हस्तशिल्प गांव का भी जायजा लिया।इस बीच उन्होंने निर्माणाधीन सरकारी प्रदर्शनियों को भी देखा और जहां-जहां कमियां नजर आई उसे ठीक करने का निर्देश दिया। उन्होंने साथ चल रहे पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि उद्घाटन के पूर्व सोनपुर मेले में चल रही तैयारियों का निरीक्षण सब कुछ तैयार कर लिया जाए। मेले में खेल तमाशा के साथ साथ सरकारी और गैर सरकारी प्रदर्शनियों एवं दुकानों का निर्माण काफी तेजी से चल रहा है। जम्मू सहारनपुर आदि के गर्म कपड़ों के व्यवसाय मेले में पहुंच चुके हैं और उनके दुकानों का सजना धजना तेजी से जारी है।

सांसद पप्पू यादव के भाषण से लोह नगर मे उमड़ा जन सैलाव

दैनिक बिहार पत्रिका /गया

सांसद पप्पू यादव ने कहा की सरकार बनते ही पांच चीज का मूल भुत गारंटी दूँगा आम लोगो को भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा और चिकित्सा बिलकुल मुफ्त जो आम जन मानस के लिए होगा सांसद पप्पू यादव ने कहा की आज झारखण्ड को भाजपा के लोग दीमक की तरह यहाँ के लोगो

का रोजगार, कारखना, जल, जंगल और जमीन को भाजपा के लोगो ने खाया है। आज झारखण्ड और झारखंडी के अस्तित्व और अस्मिता को बचाने की जरूरत है। हेमंत सोरेन का यह चुनाव यहाँ मे माँ - बहन - बेटी के इज्जत - सम्मान - रोजगार बचाने की लड़ाई का चुनाव है। सांसद पप्पू यादव ने कहा की भाजपा के लोगो की नजर झारखण्ड मे सरकार बना कर गिद्ध जैसा नोंचने का इरादा है न की जन कल्याण का इरादा है। जन कल्याण हेमंत सोरेन और राहुल की जोड़ी ही कर सकती है।

चयन शिविर में भाग लेने के लिए जेपीयू से दो स्वयंसेवक रवाना

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

जयप्रकाश विश्वविद्यालय से गणतंत्र दिवस परेड चयन शिविर में भाग लेने के लिए दो सदस्यीय टीम को शनिवार को रवाना की गयी। प्रो गजेंद्र कुमार ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय की गरिमा बनाए रखने और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गणतंत्र दिवस परेड में अपनी जगह सुनिश्चित करने की प्रेरणा दी। चयनित टीम में अजीत कुमार (गंगासिंह महाविद्यालय) और पुनीता कुमारी (राजेंद्र महाविद्यालय, छपरा) शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि जेपीयू से प्रारंभिक चयन में 12 स्वयंसेवकों का चयन हुआ था, जिनमें से राज्यस्तरीय चयन में केवल दो का चयन हुआ। अब ये चयनित स्वयंसेवक बीआईटी पटना में होने वाले चयन शिविर में भाग लेंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रोफेसर हरिश्चंद्र ने इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद वरीय प्राध्यापक प्रो० गजेंद्र कुमार का धन्यवाद किया, जिन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरणा देकर उनका उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर बीडीएसएम महाविद्यालय, छपरा के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी नवलेश कुमार सिंह और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

12204 बोतल में 6147 लीटर शराब किया गया बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका/ अमित शर्मा

बौंसी/बांका: बौंसी थाना पुलिस पदाधिकारी के द्वारा गुप्त सूचना पर डी सी एम गाड़ी के साथ ऑक्सीजन प्लांट की तरह दिखने वाला चैंबर में छुपाकर ले जाया जा रहा 12204 बोतल में 6147 लीटर शराब गुड़िया मोड़ के पास से बरामद किया गया है। बताया गया कि शराब झारखंड से भागलपुर की ओर ले जायी जा रही थी। गाड़ी चालक अब्दुल राजा पिता अब्दुल मालिक ग्राम झुमलीतलैया थाना केमूरी जिला रामपुर उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। गाड़ी न0 एम पी 13 जी बी 2812 में शराब लेकर जाया जा रहा था। फ़िलहाल शराब के संबंध से गाड़ी चालक से पूछताछ जारी है। छापामारी में राज रतन ,बौसी अंचल, सुधीर कुमार, थानाध्यक्ष बौसी, पुलिस अवर निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार एवं बौसी थाना के सिपाही शामिल थे।

अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान हेतु शिविर का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बांका: एन एच 33 ए बाई पास निर्माण हेतु अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान हेतु मौजा मजलिसपुर के हितबद्ध रैयतों के बीच पुस्तकालय भवन, चमेली में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रैयतों से प्राप्त कागजातों की समीक्षा की गई । संबंधित मौजा के रैयतों से अपील की गई कि आप सभी वांछित कागजात उपलब्ध कराएं ताकि भुगतान से संबंधित अग्रेत्तर कार्रवाई की जा सके। इस दौरान अपर समाहर्ता, बांका, भू-अर्जन पदाधिकारी, बांका, अंचल अधिकारी, बांका सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रमाणित बीज उत्पादन के लिये बीज का किया गया वितरण

दैनिक बिहार पत्रिका/ बांका

प्रमाणित बीज उत्पादन के लिये प्रखंड अमरपुर एवं बांका में बीज बितरण किया गया । बांका जिला को बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 300 क्विंटल आधार बीज (foundation seed) बांका को BRBN से प्राप्त हो चुका है । बीज उत्पादन हेतु 4 प्रखंड को चिन्हित किया गया है । 100 हेक्टयर - शंभुगंज,50 हेक्टयर- बांका, 50 हैक्टयर - अमरपुर, 100 हेक्टयर- रजौन। किसानों को बीज निषुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है । साथ मे अश्योर्ड बाय बैक अरेंजमेंट भी किया गया है। किसान बीज उत्पादन के बाद , प्रमाणित बीज एम एस पी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) गेहू ₹2425+ 30% पर खरीदा जायेगा ,जो किसान के खाते में डी बी टी के माध्यम से भेजा जाएगा।
इस परिपेक्ष में आज अमरपुर एवं बांका प्रखंड में चयनित कृषकों के बीच आधार बीज वितरण किया गया।

घात लगाए सात लोगों ने पीछे से वार कर एक 35 वर्षीय व्यक्ति का सर फोड़ किया लहूलुहान, मामला पहुंचा थाना

दैनिक बिहार पत्रिका/ कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका: थाना क्षेत्र के झाझा गांव में 9 नवंबर 2024 रात लगभग 9:30 बजे सात लोगों द्वारा रास्ता विवाद में घात लगाकर एक 35 वर्षीय व्यक्ति को बुरी तरह मारपीट कर लहूलुहान कर देने का मामला प्रकाश में आया है। वहीं घटना की जानकारी देते हुए जख्मी रामनारायण यादव एवं उनकी पत्नी बबीता देवी ने बताया कि शनिवार की रात दुर्गा स्थान से वो कीर्तन भजन कर घर वापस लौट रहे थे।
जैसे ही राम नारायण यादव मीना देवी के घर के पास पहुंचे तो सड़क पर पीछे से घात लगाए 7-8 आदमी आया और उनके साथ मारपीट करने लगे। जिससे रामनारायण यादव का सर फट गया एवं काफी खून बहने लगा। वहीं आनन-फानन में जख्मी के परिजनों ने घायल रामनारायण को ईलाज हेतु फुल्लीडुमर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां अस्पताल के डॉक्टर शंकर मिश्रा ने जख्मी का इलाज कर जख्मी की गंभीर स्थिति को देखते हुए सीटी स्कैन हेतु सदर अस्पताल बांका रेफर कर दिया गया। वहीं घायल रामनारायण यादव ने लोहे के रोड से जान मारने की नीयत से मारकर जख्मी कर देने का आरोप लगाते हुए झाझा गांव के ही अभिषेक कुमार, रितिक यादव, सिकेश कुमार,सुमन कुमार, अंकित कुमार, श्रवण कुमार, ब्रजेश कुमार को नामजद आरोपी बनाते हुए फुल्लीडुमर थाने में आवेदन देकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। वहीं थाना अध्यक्ष बबलू कुमार ने बताया कि आवेदन मिला है, जांचोपरांत दोषी पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कुर्की वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/ उमाकान्त साह

चांदन/बाँका:आनंदपुर थाना क्षेत्र के कुसुम जोड़ी पंचायत अंतर्गत खरना गांव के अभियुक्त जगदीश तूरी पिता झारी को आनंदपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान चलाकर विधिवत गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया पुर्व के मामले में गिरफ्तार अभियुक्त फरार चल रहा था। बांका न्यायालय द्वारा बार-बार नोटिस भेजकर हाजिरी और अपनी हलफनामा दाखिल करने का कहा जा रहा था। लेकिन अभियुक्त पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। जिसके खिलाफ जारी कुर्की वारंटी के तहत शनिवार को विधिवत गिरफ्तार कर कटोरिया रेफ़रल अस्पताल में मेडिकल टेस्ट करा कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए बांका जेल भेज दिया।

चार पहिया वाहन की ठोकर से एक मवेशी की हुई मौत

दैनिक बिहार पत्रिका/ चांदन

बाँका|चांदन कटोरिया मुख्य सड़क मार्ग स्थित जुगड़ी मोड़ के समीप एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे चल रहे मवेशी से टकरा कर क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार रविवार करीब 3 बजे सुल्तानगंज से देवघर जा रहे रजिस्ट्रेशन नंबर की कार JH15J -7477 जुगड़ी मोड़ के समीप पहुंचते ही कार चालक का संतुलन खो दिया और सड़क किनारे चर रहे एक मवेशी से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया। ठोकर इतना जबरदस्त था कि कार के सामने पोजीशन कि परखच्चे उड़ गया और ठोकर से घटना स्थल पर ही एक मवेशी की जान चल गई। घटना की सुचना पर पहुंचे चांदन थाना के पुअनि रूपेश कुमार ने दुर्घटना ग्रस्त कार को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आया। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार कार चालक ड्राईव करते समय मोबाइल से बात कर रहा था। सामने तिखी मोड़ आ जाने से अनियंत्रित होकर सीधी टक्कर बछड़ा को मार दिया। वहीं घटना के संबंध में चांदन थाना अध्यक्ष विष्णु देव कुमार ने बताया कि घटना के बाद चालक फरार हो गया है। जबकि मृत मवेशी के मालिक द्वारा किसी प्रकार का आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर जप्त कार के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई कि जाएगी।

24 वें स्थापना दिवस पर दीपों से जगमग होगा मंदार

दैनिक बिहार पत्रिका/ अमित कुमार शर्मा

बौंसी/बांका: देवोत्थान एकादशी यानी मंदार पर्वत के पापहरनी मध्य स्थित लक्ष्मीनारायण अष्ट कमल मंदिर का स्थापना दिवस। इस बार आयोजित होने वाले 24 वें स्थापना दिवस का आयोजन आगामी 12 नवंबर को भव्य और विराट उत्सव के रूप होगा। जिसे लेकर स्थानीय पूजा समितियां धार्मिक न्यास समितियां एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के संग को स्थानीय मंदार पर्वत की तराई में बैठक का आयोजन किया गया था।जिसमें स्थापना दिवस और मंदार महाआरती के भव्य आयोजन को लेकर और इसकी सफलता के बाबत कई निर्णय लिए जाएंगे आयोजन करता राजाराम अग्रवाल से मिली जानकारी के अनुसार इस बार हजारों दीप से मंदार में महाआरती का आयोजन किए जाने का निर्णय लिया गया है। वही अष्ट कमल मंदिर का स्थापना दिवस को लेकर विगत वर्ष की भांति दिन में महा श्रृंगार महा स्नान महा हवन आदि जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। बता दे की एक चट्टान से निर्मित सुमेरु के आकार का मंदार एक ऐसा मात्र पर्वत है। जिस की आरती आयोजित की जाती है। श्रद्धालुओं के उत्साह को देखते हुए यह 24 वर्ष होगा जब मंदार की महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

सांसद ने दिवंगत के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि,उपस्थित ग्रामीणों की सुनी जन समस्याएं

दैनिक बिहार पत्रिका/ कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका: रविवार को बांका लोकसभा के सांसद गिरधारी यादव अपने दर्जनों समर्थकों के साथ फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के बदलचक गांव पहुंचे। जहां सांसद श्री यादव ने बदलचक गांव के वयोवृद्ध समाजसेवी सीताराम यादव के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत सीताराम यादव के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की, एवं दिवंगत के शोक में 2 मिनट का मौन रखा। इसके बाद सांसद श्री यादव प्रखंड के राजद प्रखंड महासचिव रणधीर महाराणा के असामयिक निधन पर उनके पैतृक आवास तक्कीपुर गांव पहुंचे एवं दिवंगत दिवंगत रणधीर महाराणा के तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना देते हुए सांसद ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। वहीं क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान पहुंचे सांसद से प्रखंड क्षेत्र के खजाना गांव निवासी गिरधारी मंडल ने अपनी गरीबी का जिक्र करते हुए अभी तक पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। जिस पर संसद ने यथाशीघ्र पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने का भरोसा दिया। वहीं इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि कौशल किशोर सिंह उर्फ राजा, समाजसेवी पिंटू यादव, संजय मांझी, प्रखंड अध्यक्ष विनोद सिंह चंद्रवंशी, प्रमुख प्रतिनिधि प्रसेनजीत कुमार राय, ब्रजेश यादव, धनंजय यादव, नंदू यादव, निरंजन यादव, उमेश कुमार, सरपंच प्रतिनिधि चंदन कुमार, सिंटू महाराणा सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

बरेला झील के संरक्षण और विकास के लिए सीमांकन का कार्य प्रारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका /वैशाली

बरेला झील के संरक्षण और विकास के लिए जिला पदाधिकारी श्री यशपाल मीणा के विशेष पहल पर झील की मापी और सीमांकन का कार्य कल से प्रारंभ हो गया है। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मापी का कार्य कराया जा रहा है। 9 नवंबर से शुरू हुआ यह कार्य 20 नवंबर, 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा।

मापी कार्य को पूर्ण करने के लिए एसडीएम, महुआ को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। इस कार्य में वन प्रमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, महुआ, अंचल अधिकारी, पातेपुर, राजस्व पदाधिकारी, पातेपुर के साथ पुलिस अधिकारियों एवं अंचल अमीन तथा राजस्व कर्मचारी आदि की प्रतिनियुक्ति की गई है। झील को 12 सेक्टरों में बांट कर मापी और सीमांकन का कार्य किया जा रहा है, ताकि झील की वास्तविक स्थिति का आकलन कर संरक्षण के लिए समुचित कदम उठाए जा सके। सीमांकन के बाद भूमि की घेराबंदी कराकर झील के डेवलेपमेंट प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू होगा। वैशाली जिला में पातेपुर और जंदाहा आंचल में अवस्थित बरेला झील एक महत्वपूर्ण झील है। यहां प्रवासी पक्षी आते हैं। प्रशासन का यह पहल और प्रयास बरेला झील की पर्यावरणीय महता और जैव विविधता को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही बरेला झील एक महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा।

इमामगंज मे 2005 पहले एवं बाद में विकास का फर्क देखिए, विकास हर तरफ काम हो रहा है - नीतीश कुमार

दैनिक बिहार पत्रिका/ धीरज गुप्ता

गया। इमामगंज में चुनाव सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को हम उम्मीदवार दीपा मांझी के लिए वोट मांगने इमामगंज विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे, जहां जनसभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। नीतीश कुमार ने कहा कि हम तो दीपा मांझी को भारी मतों से जिताने का अनुरोध करने आए है। सीएम नीतीश कुमार ने लालू परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2005 को हमलोग आए, बताइए कौन लोग राज करते थे? वह लोग अनाप-शनाप बोलते हैं। पहले यह लोग क्या किया था। शाम को कोई निकलता नहीं था। मुसलमान का वोट तोड़ने का काम करता था। हिन्दू मुस्लिम का वोट तोड़ने का काम करता था। जब काम करना शुरू किया तो हर प्रकार का कार्य किया है।सीएम नीतीश कुमार ने हिंदू मुस्लिम का झगड़ा होता था। जब से शासन में आए तो यह बंद कर दिया है। अब कोई झगड़ा नहीं होता है। भारी संख्या में मुस्लमान लोगो ने वोट दिया था। कब्रिस्तान की घेराबंदी कराया गया है। 1237 कब्रिस्तान की जानकारी मिली है, जिसे पूरा करेंगे। मूर्ति चोरी की घटनाएं अब नहीं होती है यह उदाहरण है। शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में कितना काम किया याद कीजिएगा भूलिएगा नहीं। बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की बहाली की गई है। पोशाक योजना, नौवीं में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं के लिए साइकिल योजना दिया है।यह सब भूलिएगा नहीं। पहले पीएचसी में एक महीना में 39 मरीज जाते थे। अब 11 हजार हर महीना इलाज कराने जाते है।गलती से इधर-उधर चले गए थे ।चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गलती से उनलोगों को हमलोग ले लिए थे। इसके बाद में फिर हम हट गए। दो बार हट गए है। अब इधर उधर कही नहीं जाएंगे। अब इधर उधर नहीं जाएंगे । उनलोग कोई काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के चलते बिहार में मेडिकल कॉलेज की संख्या बढ़ी है। आपलोग इधर उधर नहीं जाइएगा। सात निश्चय योजना के तहत पक्की सड़क समेत कई बुनियादी सुविधाओं पर काम कराया है। अगला चुनाव के पहले 12 लाख को नौकरी मिलेगा। पंचायती राज में 50% आरक्षण दिया है। पुलिस में 35% आरक्षण दिया गया है। यह सबसे ज्यादा आरक्षण सिर्फ बिहार में है। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से ज्यादा सुंदर विष्णुपद और बोधगया कॉरिडोर होगा।1990 से 2005 तक बिहार में कोई आरक्षण की व्यवस्था नहीं थी।अतिपिछड़ों, महिला,दलितों को आरक्षण देने का काम किया है। लोकसभा चुनाव में कहते रहे संविधान खतरे में है तो उन लोगो ने कुछ किया नहीं है। इससे कोई सरकार बनने वाला चुनाव नहीं है। यह सरकार को मजबूत करने का चुनाव है। 2005 के पहले न सड़क,बिजली,पानी की व्यवस्था थी।गांव गांव तक पहुंचा।जब मोदी और नीतीश की जोड़ी बनी तो घर घर बिजली पहुंचाया है। अब सोलर युक्त बिजली 1 करोड़ लोगों को देगी।15 हजार करोड़ सिर्फ सब्सिडी पर देती है। इस सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी कहा कि जब-जब आशीर्वाद नीतीश देते है। तो दुनिया का कोई भी शक्ति नहीं रोक सकता है। नारी का उत्थान और विकास के लिए नीतीश कुमार जनसभा में पहुंचे है। तीन दिन के चुनाव प्रचार में हम हजारों वोट से जीते थे। लुटुआ में ज़िग जैग रास्ता था। हमने अपने कार्यकाल में कई सड़को का निर्माण कराया गया है। छकरबंधा नक्सली क्षेत्र के रूप में था।उस पुल और सड़को सहित हजारों कार्य हुआ है। विकास का कार्य नीतीश की कृपा से किया गया है। 2015 से नीतीश कुमार के सहयोग से शांति बहाल हुई है। कुछ कार्य बचा है। जीविका दीदी नीतीश सरकार के काम किया हैं। उसके नियमित मानदेय की मांग मंच से की गई है। आचार संहिता है। इसकी बढ़ाकर एक हजार की मांग की है। छोटा काम नीतीश के लिए कुछ नहीं है। कुछ बोल देते है यह अलग बात है अगर सीएम नहीं बनाते तो जीतन को कोई नहीं जानता है। छोटा छोटा उद्योग के लिए बैंक को वित्त मंत्री ने कह दिया है कि टेक्नोलॉजी सेंटर लाने वाले है। दो करोड़ की योजना है। एक हजार लोगों को रोजगार और प्रशिक्षण मिलेगा। जब मोदी और नीतीश की कृपा है तो कोई नहीं रोकेगा। प्रत्याशी के केंद्रीय मंत्री और बिहार सरकार में मंत्री है। यह काम नहीं करेगा तो कौन छोट पूंजिया करेगा। महादलित परिवार पर विश्वास है कोई दारू नहीं पिएगा, पैसा नहीं लेगा और हम पार्टी को वोट करेगा। जिंदगी भर डुमरिया इमामगंज को नहीं भूलेंगे।इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी,उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार सरकार के मंत्री संतोष मांझी, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा,पूर्व औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह, धनराज शर्मा,हम जिला अध्यक्ष,हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता ई नंदलाल मांझी,हम के राष्ट्रीय नेता रोमीत कुमार,काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

चार दिन बाद सभी नेता जो कूड़ा-करकट की तरह जमा हैं, झाड़ू उठाइए और सबको साफ कर दीजिए- प्रशांत किशोर

दैनिक बिहार पत्रिका/ धीरज गुप्ता

गया ।जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आगामी उपचुनाव को लेकर इमामगंज में रविवार को एक जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया है, जिसमें हजारों की संख्या में क्षेत्र की जनता ने हिस्सा लिया है। इस कार्यक्रम में प्रशांत किशोर ने उपस्थित जनसमूह से संवाद करते हुए उनके मत की शक्ति को समझाया और अपनी बात रखी। लालू–नीतीश ने 35 वर्षों से आपको जाति का झुनझुना पकड़ा दिया, और जनता उसी में उलझी हुई है।

प्रशांत किशोर।जन संवाद के दौरान प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार और लालू यादव पर तीखा वार किया है। उन्होंने कहा, लालू–नीतीश ने 35 वर्षों से आपको जाति का झुनझुना पकड़ा दिया है, अगड़ा जात – पिछड़ा जात, मेरा जात–तुम्हारा जात, और इसी में जनता उलझी हुई है। प्रशांत किशोर ने जनता को उनके वोट की ताकत बताते हुए कहा कि एक बार जीवन में नेताओं के बच्चों के लिए नहीं, लालू, नीतीश और मोदी के लिए नहीं, बल्कि एक बार जनता का राज बने, इसके लिए वोट देना है। तब यह सब नेताओं से हिसाब बराबर होगा। आगे उन्होंने कहा, 2025 में जनता का राज बने, आपके घर में तरक्की आए, खुशहाली आए, पैसा आए, इसके लिए जरूरी है की चार दिन बाद अपने-अपने घर की सफाई कीजिए। जितना भी नेता कूड़ा-करकट जमा हैं, झाड़ू उठाइए और सबको साफ कर दीजिए ।

बैंक अधिकारी संघ के राष्ट्रीय सचिव बने डीएन त्रिवेदी

पटना। बिहार के पूर्वी चंपारण निवासी डीएन त्रिवेदी को बैंक अधिकारियों के शीर्ष संगठन ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) का राष्ट्रीय सचिव निर्वाचित किया गया है। रविवार को राजस्थान के माउंट आबू में आयोजित दो दिवसीय बैठक में संगठन के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। श्री त्रिवेदी बिहार से राष्ट्रीय सचिव के पद पर निर्वाचित होने वाले पहले बैंकर हैं। डीएन त्रिवेदी के राष्ट्रीय सचिव निर्वाचित होने पर बिहार प्रोविन्सियल बैंक इम्प्लाइज एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष संजय तिवारी ने उन्हें बधाई दी है।

गांधी मैदान में होगी धोबी महासंघ की रैली

पटना। रविवार को आंबेडकर भवन में अखिल भारतीय धोबी महासंघ बिहार प्रदेश इकाई की राज्य कार्यकारिणी की बैठक हुई। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष प्र''ाद कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिलाध्यक्ष, सचिव सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। संघ ने आगामी नौ फरवरी 2025 को गांधी मैदान में धोबी अधिकार महारैली आयोजित करने का निर्णय लिया।

सहरसा संदिग्ध स्थिति में मिला दंपती का शव

सहरसा। सदर थाना क्षेत्र के नरियार सरदार टोला में रविवार की दोपहर पति-पत्नी का शव संदिग्ध परिस्थिति में मिला। मृतकों में पत्नी आरती देवी और पति राजकुमार दास शामिल हैं। आशंका जतायी गयी है कि पत्नी की हत्या करने के बाद पति ने भी जान दे दी। वहीं सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की छानबीन की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पहुंच कर साक्ष्य संकलन किया। पुलिस को मौके से एक चाकू भी मिला है। पत्नी के चेहरे पर कई जख्म के निशान थे। जबकि पति के गले पर कुछ निशान और चेहरे पर कुछ खून के धब्बे नजर आये।

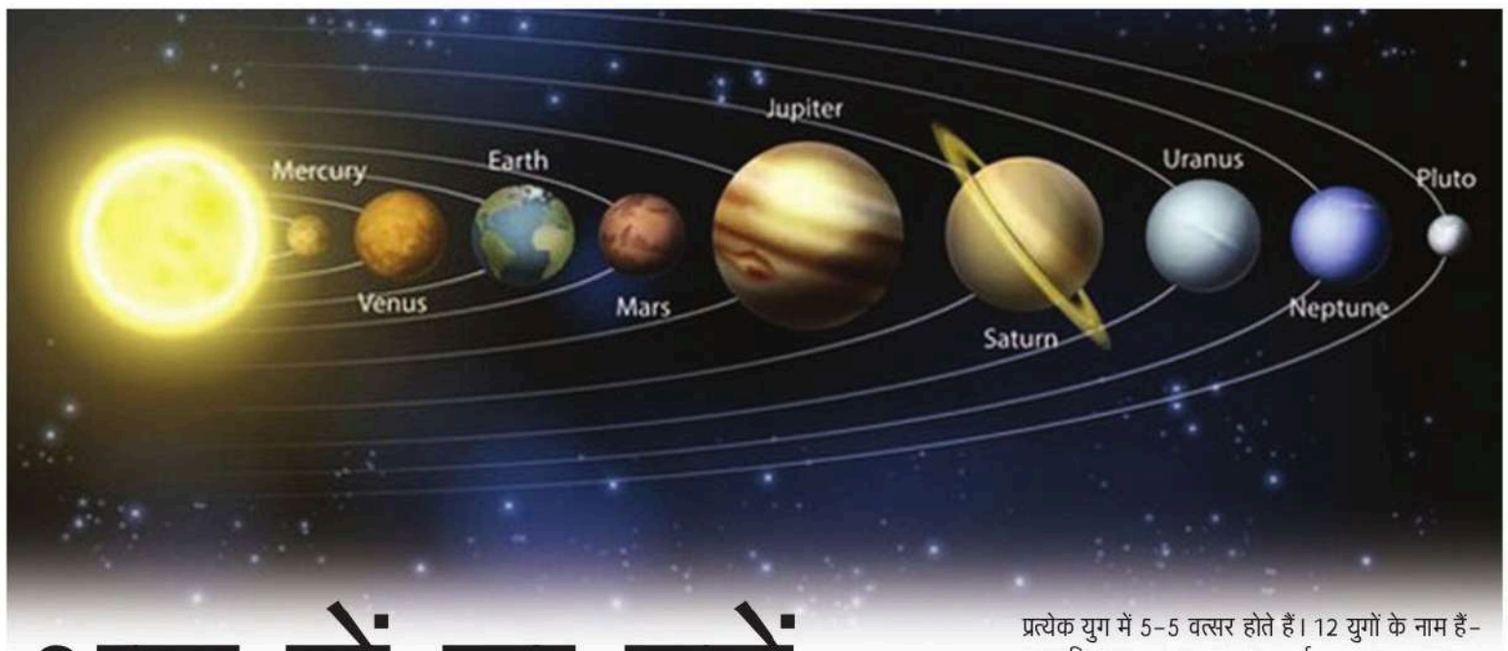

भ्रम में ना रहें कि कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतबल यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदथ्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर। प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।

दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।

आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।

दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता है।

यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

सुनसान जगह पर क्यों नहीं रहना चाहिए?

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।

भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।

यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।

यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।

दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।

सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।

सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।

जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

ये 10 प्रकार के दरवाजे नहीं होना चाहिए

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो।

दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।

दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।

एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।

ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।

घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।

कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।

मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।

मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।

घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।

घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

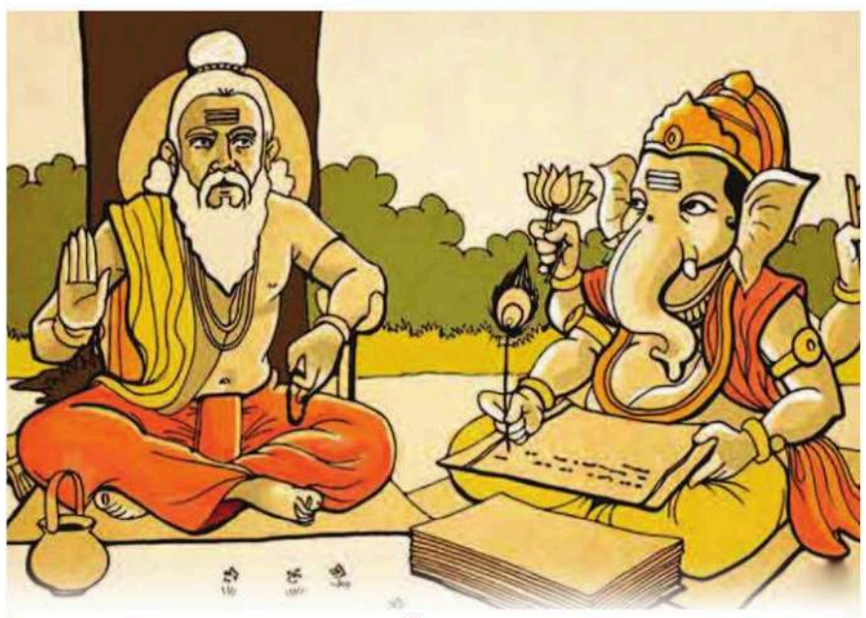

द्वापर युग के महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।

द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।

परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।

इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।

इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।

इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267